कोविड–19 महामारी के दौरान कृषि वैज्ञानिकों द्वारा जारी

ॐ एडवाइजरी ॐ

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों द्वारा

विभिन्न समसामयिक विषयों पर आयपरक मौसम आधारित कृषि

मीडिया कवरेज

2021

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर–2

कृषि विज्ञान केन्द्रों की एडवाइजरी का मीडिया संकलन

1. कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम : फतेहपुर

मीडिया कवरेज

कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा जारी है, किसानों को कोरोना संक्रमण से बचाव एवं उन्नत कृषि तकनीकी सलाह: डॉ ए.के सिंह

कर्म कसौटी साप्ताहिक 24/05/2021

विधान केसरी

कृषि विज्ञान केंद्रों ने किसानों को कोरोना से बचाव के साथ उन्नत कृषि तकनीकी की दी सलाह

आज — कानपुर 24 मई, 2021 — 5

फसलों की कटाई-मड़ाई की तकनीकी जानकारी दी

कोरोना संक्रमण से बचाव एवं उन्नत कृषि तकनीकी सलाह देने के साथ डॉ ए.के सिंह ने की चर्चा

कृषि विज्ञान केंद्रों ने किसानों को कोरोना से बचाव के साथ उन्नत कृषि तकनीकी की दी सलाह

24/05/2021 साध्य हलचल

सहारा — 24 मई 2021 — 5

सीएसए उन्नत कृषि तकनीकों को लेकर कर रहा किसानों को जागरूक

कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा दी जा रही है, किसानों को कोरोना संक्रमण से बचाव एवं उन्नत कृषि तकनीकी सलाह: डॉ ए के सिंह

मिट्टी सुधार के लिए जैविक खेती की आवश्यकता: डॉ.नौशाद

» खेतों में केमिकल युक्त खादों के उपयोग से बचने की दी सलाह

कृषि वैज्ञानिक डा० नौशाद आलम।

महिलाएं बढ़ाएं आय और बनें स्वावलंबी

तरबूज में लगा कीट किसान परेशान

संक्रमण से गर्भवती महिलाएं रहें सतर्क, करें बचाव : डॉ.अलका

कोविड-19 के संक्रमण से गर्भवती महिलाएं रहें सतर्क, करें बचाव : डॉ अलका कटियार

गर्भवती महिलाएं खाएं दालें, मूंगफली, पनीर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक डॉ. अलका कटियार ने रविवार को गर्भवती महिलाओं के लिए कोरोना संक्रमण से बचाव और सतर्कता विषय पर एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि गर्भावस्था में महिलाओं के शरीर में होने वाले ...

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

किसान के लिए रबी फसल की कटाई एवं मड़ाई हेतु एडवाइजरी जारी

सत्ता एक्सप्रेस

रबी फसल की कटाई मड़ाई हेतु एडवाइजरी जारी

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस। कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में निदेशक प्रसार /समन्वयक डॉक्टर ए के सिंह ने किसान भाइयों के लिए रबी फसल की कटाई एवं मड़ाई हेतु एडवाइजरी जारी की है ...

कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में शुक्रवार को निदेशक प्रसार /समन्वयक डॉ. ए. के. सिंह ने किसानों के लिए रबी फसल की कटाई एवं मड़ाई के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि रबी की फसल लगभग पककर

निश्चित दूरी बनाकर रखें। उन्होंने बताया कि थ्रेसर पर कार्य

Fatehpur UP News: अरब सागर से उठे चक्रवाती तूफान तौकते (Cyclone Tauktae) का असर भारत के कई राज्यों में पड़ने वाला है। उत्तर प्रदेश (Uttar Pradesh) के कई जिलों में इसके लिए अलर्ट जारी कर दिया गया है। इस तूफ़ान में तेज हवाओं के साथ साथ भारी बारिश और ओलावृष्टि की भी संभावना है। फतेहपुर के थरियांव में स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी **सचिन कुमार शुक्ला** ने बताया कि जनपद में हवा की गति कुछ तेज रहेगी 17 मई से 20 मई तक हल्की बारिश घने बादल रह सकते हैं। (Fatehpur UP News Strom Rain Cyclone

सीएसए ने रबी फसल की कटाई व मड़ाई पर जारी की एडवाइजरी

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

ग्रामीण कृषक महिलाओं हेतु एडवाइजरी जारी, कटहल सेहत के लिए लाभदायक

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में शनिवार अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र थरियांव की गृह वैज्ञानिक डॉ साधना वैश व एवं डॉ अलका कटियार ने संयुक्त रूप से ग्रामीण कृषक महिलाओं हेतु एडवाइजरी जारी की है। डॉ.वैश ने बताया कि कोरोना संक्रमण से बचाव करते हुए घर पर ही सुरक्षित रहकर कृषक महिलाएं कटहल का प्रसंस्करण कर उसे विभिन्न उत्पाद जैसे कटहल स्क्वैश, कटहल नेक्टर, कटहल का जैम, कटहल की चटनी एवं कटहल का अचार आदि उत्पाद बनाकर स्वयं को स्वावलंबी एवं आर्थिक ... वैश ने यह भी सलाह दी है कि महिलाएं चाहें तो उत्पाद को स्वयं सहायता ग्रुप बनाकर एक संगठन के रूप में उत्पादित करें। जिससे बाजार मिलने में आसानी हो जाती है। डॉ ... राइबोफ्लेविन, आयरन, नियासिन, जिंक एवं प्रचुर मात्रा में फाइबर पाया जाता है। उन्होंने बताया कि कटहल में पोटैशियम के कारण दिल की बीमारियों को यह ठीक करता है ...

कोविड-19 से लड़ने के लिए शहतूत का सेवन करें:डॉक्टर साधना वैश,वैज्ञानिक गृह विज्ञान, केवीके फतेहपुर...
www.oneclicknews.co.in

https://www.oneclicknews.co.in/2021/05/Oneclicknews_61.html 5:12 pm

Forwarded

कोरोनावायरस के दौरान कृषक महिलाएं टमाटर में वैल्यू एडिशन करके टमाटर का लेदर बनाएं : डॉ साधना बैश...
www.oneclicknews.co.in

सचिन कुमार शुक्ला (मौसम विभाग वैज्ञानिक)17 से 21 के मध्य आंशिक रूप से बादल छाये रहने तथा गरज चमक के साथ हल्की बारिश होने के आसार है,जिसमे हवा की गति सामान्य से तेज रहेगी।अतः सभी किसान भाईयों को सलाह दी जाती किसी भी दवा

Forwarded

महिला गृह विज्ञान वैज्ञानिको ने बताए सोया पनीर (टोफू)बनाने के तरीके
फतेहपुर, उत्तर प्रदेश महिला गृह विज्ञान वै...
www.ocnnews.in

संवाद न्यूज एजेंसी

फतेहपुर। कोरोना महामारी के समय लॉकडाउन में फल प्रसंस्करण के माध्यम से महिलाएं अपनी आय को बढ़ा सकती है। थरियांव कृषि विज्ञान केंद्र की महिला वैज्ञानिकों ने कटहल से

तरबूज में लगा कीट किसान परेशान

गंजमुरादाबाद। तरबूज की फसल में सफेद सूड़ी नाम का कीट लग गया है। इससे तरबूज की फसल में सड़ांध पैदा हो गई है। राजकीय कृषि बीज भंडार कार्यालय प्रभारी देवी सिंह ने किसानों से समय से रहते हुए दवा का छिड़काव करने की सलाह दी है।
क्षेत्र में भारी पैमाने में तरबूज की खेती की जाती है।

2. कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम : कन्नौज

मीडिया कवरेज

डॉ. वीके कनौजिया ने किसानों को बताएं उपाय

फसलों का सुरक्षित भंडारण अति आवश्यक : डॉ. कनौजिया

कोविड महामारी से बचते हुए करें कृषि के कार्य

ऐसे करे भंडारण

कन्नौज | हिन्दुस्तान संवाद

वैज्ञानिक ने दी सलाह

- बीजों को अच्छी से धूप में सुखाने के बाद किसान करें भंडारण
- साफ-सफाई पर जोर, नमी न रहने दें गेहूं आदि फसलों में

15 मिनट तक उबालें, फिर छह घंटे सुखाएं पुराने बीजे

किसान इनको भी अपनाएं

फसलों की कटाई मड़ाई के बाद भंडार करे सुरक्षित- डॉ बीके कनौजिया

नए बाग के रोपण में बरतें सावधानियां- डॉ अमर सिंह

मानसून सामान्य रहने की संभावना : अमरेन्द्र

जलालाबाद, समृद्धि न्यूज।

गर्मी में गहरी जुताई के अनेकों लाभ : डॉ. कनौजिया

गर्मी की जुताई से भूमि की कठोरता कम होती है, हवा का संचार बढ़ता है, खरपतवारों की संख्या में भी कमी आती है

लोकभारती न्यूज़ ब्यूरो

जलालाबाद/कन्नौज। कृषि विज्ञान केंद्र, अनौगी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. वी. के. कनौजिया ने बताया कि गेहूं की फसल की कटाई के उपरांत बहुत बड़ा क्षेत्रफल वर्षा जल

आगामी फसलों की जड़े अधिक गहराई तक वृद्धि कर पाती हैं जिसका सकारात्मक प्रभाव फसल की वृद्धि व उपज पर पड़ता है । दूसरा सबसे महत्वपूर्ण असर भूमि में पड़े कीड़ों उनके अंडों, प्यूपा व लरवा पर पड़ता है जो धूप के संपर्क में आकर नष्ट हो जाते हैं । ठीक इसी प्रकार फफूंद, बैक्टीरिया व नेमेटोड पर होता है । यह सभी फसलों के दुश्मन हैं जो सामान्य स्थिति में भी 10 से 15त्न तक नुकसान फसल को पहुंचाते हैं । गहरी जुताई से इनकी संख्या

होने से जैसे ही वर्षा प्रारंभ होती है उसका पूरा जल खेत द्वारा सोंख लिया जाता है परिणाम स्वरूप मिट्टी बह कर खेत से बाहर नहीं जा पाती तथा खेत की बुवाई अपेक्षाकृत पहले की जा सकती है।

गर्मी की जुताई से भूमि की कठोरता कम होती है, हवा का संचार बढ़ता है, भूमि में खरपतवारों की संख्या में कमी आती है, कीड़े-मकोड़े और रोगों की संख्या कम होती है, जल का अवशोषण तेजी से होता है तथा भूमि में

भूमि को उपजाऊ बनाने के लिए बोएं हरी खाद : डॉ कनौजिया

इम्युनिटी बढ़ाने के लिए अपनायें घरेलू नुस्खे : डॉ. पूनम सिंह

दोपहर में मक्के की पत्तियां मुरझाएं तो सिंचाई की जरूरत : कृषि वैज्ञानिक

दोपहर में पत्तियां मुरझाने लगें तो सिंचाई करें

कृषि वैज्ञानिक ने खड़ी फसलों के प्रबंधन पर ध्यान देने की सलाह दी

खड़ी फसलों के प्रबंधन पर ध्यान दें : डॉ. कनौजिया

मल्टीविटामिन्स व एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है सहजन की पत्तियां : डॉ. पूनम सिंह

जलालाबाद कन्नौज। सहजन की पत्तियों का प्रयोग हजारों साल से आयुर्वेदिक दवाइयों को बनाने के लिए किया जाता रहा है। इसमें विटामिनए खनिज पदार्थए एंटीऑक्सीपर्डेटए क्लोरोफिल और पूर्ण एंटी.बैक्टीरियल और एंटी.इन्फ्लामेशन गुण भी इसमें होते हैं जिस वजह से इनका पौष्टिक तत्वों के बारे में आपको शायद ही पता हो। कृषि विज्ञान केंद्र अनौगी की वैज्ञानिक डॉ पूनम सिंह बताती हैं कि सहजन की पत्तियां इसके फल और फूलों की तुलना में अधिक पौष्टिक होती हैं। पोषक तत्व की

यदि अन्य खाद्य पदार्थों की बात करें तो

विटामिन सी-संतरे से 7 गुना ज्यादा

जैव अपघटक खाद बनाने का सरल उपाय : डॉ. कनौजिया

अमर उजाला

अच्छी पैदावार के लिए खेतों की करें गहरी जुताई

फलों और सब्जियों के संदर्भ में कृषि विज्ञान केंद्र की वैज्ञानिक ने ब

कीटों से करें मक्का का बचाव

सलाह : फसल अवशेष से किसान ऐसे बनाएं खाद

कृषि वैज्ञानिक बोले

मल्टीविटामिन्स व एंटीअक्सीडेंट से भरपूर हैं सहजन की पत्तियां : डा. पूनम

3. कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम : कानपुर देहात

मीडिया कवरेज

कोरोना वायरस से सुरक्षित रहने के लिए शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली का दुरुस्त रहना बेहद जरूरी : डॉ चंद्रकला

बैंगनी पत्ता गोभी कुदरत का अनमोल तोहफा: डॉ अशोक

22/05/2021

कानपुर (स्पष्ट आवाज)। सीएसए के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह द्वारा वैज्ञानिकों को जारी निर्देश के क्रम में आज दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अशोक कुमार ने कोविड-19 के संक्रमण से बचाव एवं शरीर में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए बैंगनी पत्ता गोभी को कुदरत का अनमोल तोहफा बताया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के संक्रमण से वही लोग सुरक्षित रह सकते हैं जिनके शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत है। उन्होंने बताया कि कुदरत ने मानव को कुपोषण से दूर कर

जनमत टुडे

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है बैंगनी पत्ता गोभी: डॉ अशोक कुमार

जन एक्सप्रेस

कोरोना से बचाव: बकरी के दूध से बढ़ सकते हैं रोग प्रतिरोधक क्षमता

जन एक्सप्रेस

बैंगनी पत्ता गोभी कुदरत का नायाब तोहफा

जनमत टुडे

रबी फसल की कटाई एवं मड़ाई के लिए किसानों को एडवाइजरी जारी

उत्तर प्रदेश

कोविड-19 से बचाव के लिए संतुलित आहार लेना जरूरी: डॉ.निमिषा अवस्थी

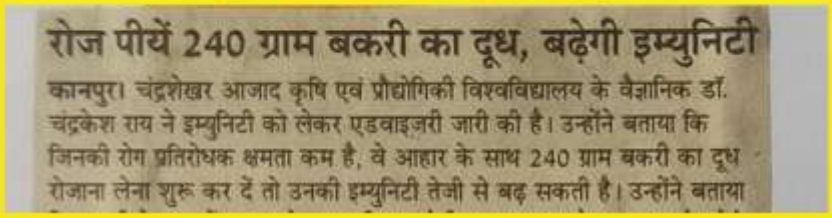

रोज पीयें 240 ग्राम बकरी का दूध, बढ़ेगी इम्युनिटी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. चंद्रकेश राय ने इम्युनिटी को लेकर एडवाइज़री जारी की है। उन्होंने बताया कि जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम है, वे आहार के साथ 240 ग्राम बकरी का दूध रोजाना लेना शुरू कर दें तो उनकी इम्युनिटी तेजी से बढ़ सकती है। उन्होंने बताया

राष्ट्रीय सहारा

'कोरोना काल में लगाएं सेहत की बा

अनेक औषधीय गुणों से भरपूर है चौलाई- डॉ अशोक कुमार, अध्यक्ष केवीके,दलीप नगर

हिन्दुस्तान का इतिहास

कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए संतुलित आहार लेना जरूरी-डॉ.निमिषा अवस्थी

सत्ता एक्सप्रे

कोरोना बचाव के लिए संतुलित आहार जरूरी–डॉ.निमिषा

कोरोना की तीसरी लहर से नौनिहालों को बचाएगा 250 ग्राम बकरी का दूध

सहजन की पत्तियां बढ़ाती हैं रोग प्रतिरोधक क्षमता

11/05/2021

बकरी के दूध से बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता

फसलों को चट करने वाले टिड्डी दल की चेतावनी

जासं, कानपुर: टिड्डी दल के उत्तर प्रदेश में आने की चेतावनी चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने दी है। चक्रवाती तूफान के कारण हुई बारिश के बाद टिड्डी दल अपने पांव पसार रहा है। सीएसए के कीट विज्ञान विभाग

रहें सावधान

- सीएसए विवि के विशेषज्ञों ने दी है चेतावनी
- बरसात के मौसम में उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने की आशंका जताई

गर्भावस्था में खून की कमी हेतु आहार प्रबंधन - डॉ निमिषा

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • शनिवार • 22 मई • 2021 5

बैंगनी पत्ता गोभी कुदरत का अनमोल तोहफा : डॉ. अश

अनूपपुर गां
वितरित किए
बैंगनी पत्ता

4. कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम : मैनपुरी

मीडिया कवरेज

माद पशुओं के गर्भधारण न करने पर पशुपालक दें विशेष ध्यान: डॉ. संजय

अमरूद में छाल-भक्षी कीट का प्रबंधन आ

सब्जियों में कीट नियंत्रण

पशुपालक दें विशेष ध्यान : डॉ संजय कुमार पांडेय

शाम को आंधी के बाद बूंदाबांदी

जनमत टुडे

उत्तर प्रदेश

ऑक्सीजन लेवल मैंटेन बनाए रखें: डॉ. आकांक्षा चौधरी

13 मई को प्री-मानसून बारिश का अलर्ट जारी

ताउते : आज और कल जिले में बारिश का अलर्ट हुआ जारी

आज का कानपुर

माद पशुओं के गर्भधारण न करने पर पशुपालक दें ध्यान-डॉ. पांडेय

पशुपालक बरतें सावधानी, खुले में पशु न बांधें

मैनपुरी | हिन्दुस्तान संवाद

सलाह दी

- कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक ने पशुपालकों को दी सलाह
- संक्रमित या बाहरी व्यक्तियों को पशुओं के पास न जाने दें

पशुपालक इस तरह बरतें सावधानी

कृषि विज्ञान केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक ने बागवान के लिए जारी की एडवाइजरी

19/05/2021 राष्ट्रीय स्वरूप

कृषि विज्ञान केंद्र के उद्यान बागवान के लिए जारी की

19/05/2021

सांध्य हलचल ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह द्वारा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को जारी निर्देश के क्रम में आज नगला निरंजन दीवानी रोड स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉ विकास रंजन चौधरी ने बागवान भाइयों के लिए एडवाइजरी जारी की है। डॉ चौधरी ने बताया कि वैशाख-जेठ अर्थात मई माह में गर्मी चरम पर होती है तथा इस दौरान कोविड-19 का भी संक्रमण है। ऐसी परिस्थिति में बागवान भाइयों को अपने बागों का सही से प्रबंधन भी करना है। जिससे कि उन्हें अधिक से अधिक आय प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि इस माह तेज गर्मी तथा लू से पेड़ पौधों का बचाव करना आवश्यक है तथा इसी महीने में बाग लगाने के लिए खेत में गड्ढे भी तैयार किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि मई माह में फलदार पौधों का बगीचा लगाने के लिए मई से लेकर जून के प्रथम सप्ताह तक गड्ढों की खुदाई का कार्य बागवान भाई पूर्ण कर लें उन्होंने बताया कि इस समय

वैशाख-जेष्ठ (मई) माह में बगीचे

आम के पौधों में बोरेक्स का छिड़काव अवश्य करें तथा सिंचाई कर गिलहरी और चिड़ियों से फलों को को बचाएं डॉ चौधरी ने कहा कि अमरूद के वृक्षों में नए कल्लों की छटाई कर दें, तथा 15 दिन के अंतराल पर एन ए ए का 600 से 800 पीपीएम का छिड़काव दो बार करें, तथा जिन भाइयों को पपीते के नए बगीचे लगाना चाह रहे हैं वे पपीते की उन्नत किस्में जैसे मधुबाला, पूसा नन्हा, हनीड्यू, पूसा डिलिसस आदि की नर्सरी तैयार कर लें। उन्होंने बताया कि कटहल के वृक्षों पर

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

वैशाख-जेष्ठ (मई) माह में बगीचों की देखभाल- डॉक्टर विकास रंजन चौधरी

सोशल रिपोर्टर

हिन्दी दैनिक

वैशाख-जेष्ठ (मई) माह में बगीचों की देखभाल- डॉक्टर विकास रंजन चौधरी

खाने में सोयाबीन अखरोट मूंगफली को शामिल करें

पशु के लिए जानलेवा हो सकता है गलाघोंटू

में ऑक्सीजन लेवल मेंटेन बनाए रखें- डॉ. आर

फुहार से मौसम हुआ सुहाना

मई में बागों का प्रबंधन ठीक से करें बागवान

5. कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम : रायबरेली

मीडिया कवरेज

अच्छी उपज के लिए ग्रीष्म ऋतु में जुताई जरूरी: डॉ. सिंह

रायबरेली, 16 मई (तरुणमित्र)। कृषि विज्ञान केंद्र , दरियापुर रायबरेली के प्रसार वैज्ञानिक डा आर पी एन सिंह ने ग्रीष्मकालीन जुताई के महत्व के बारे में सलाह दी कि किसान भाइयों एवं बहनों कोविड -19 के दृष्टिगत देश एवं प्रदेश में लागू लॉक डाउन के सभी दिशा निर्देशों का पालन करते हुए आगामी फसल से अच्छी पैदावार लेने के लिए रबी फसल की कटाई के तुरंत बाद गहरी जुताई कर ग्रीष्म ऋतु में खेत को खाली रखना लाभदायक रहता है। ग्रीष्मकालीन जुताई रबी मौसम की फसलें कटने के बाद

स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक मीठे व्यंजन से क

रायबरेली, 16 मई (तरुणमित्र)। कृषि विज्ञान केंद्र , दरियापुर रायबरेली के प्रसार वैज्ञानिक डा आर पी एन सिंह ने ग्रीष्मकालीन जुताई के महत्व के बारे में सलाह दी कि किसान भाइयों एवं बहनों कोविड -19 के दृष्टिगत देश एवं प्रदेश में लागू लॉक डाउन के सभी दिशा निर्देशों का पालन करते हुए आगामी फसल से अच्छी पैदावार लेने के लिए रबी फसल की कटाई के तुरंत बाद गहरी जुताई कर ग्रीष्म ऋतु में खेत को खाली रखना

कोरोना की जंग सेहत के संग

मधुमक्खियों को गर्मी और लू से बचाने के लिए रहें सतर्क

रायबरेली। गर्मी के समय में मधुमक्खी पालक सतर्क रहें। लू और गर्मी के चलते मधुमक्खियों और उनके बच्चों के मरने की आशंका बनी रहती है। कृषि विज्ञान केंद्र फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ. अवधेश कुमार तिवारी ने बताया कि गर्मी में

सावधानी से सुरक्षित रहेगा अनाज भंडारण

रायबरेली। कड़ी मेहनत के बाद तैयार किए गए गेहूं के भंडारण में छोटी-छोटी बातों का विशेष ध्यान देने की जरूरत है। ऐसा नहीं करने पर पूरी मेहनत पर पानी फिर सकता है। इससे न सिर्फ किसानों का गेहूं खराब होगा, बल्कि उसके खाने से स्वास्थ्य पर भी गलत प्रभाव पड़ेगा। उक्त जानकारी कृषि विज्ञान केंद्र दरियापुर के वैज्ञानिक फसल सुरक्षा डॉ. अवधेश कुमार तिवारी ने दी।

उन्होंने बताया कि अनाज को ढोने वाली ट्राली को अच्छी तरह से साफ करें। भंडारण से पूर्व अनाज को अच्छी तरह से साफ कर लें। अनाज को अच्छी तरह से सुखाएं। गेहूं में 8.10 प्रतिशत से ज्यादा नमी न रहे। भंडारण से पूर्व गोदाम की

अमर उजाला
लखनऊ संस्करण

निधन । अंतिम या

जो हमसे बिछुड़ गए हैं उ संदेश अमर उजाला पहुंचाए क्योंकि हम आपके सु

हरी मिर्च का तेज

6. कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम : हरदोई

मीडिया कवरेज

कृषि वैज्ञानिक ने किसानों को दी सलाह, बताया गर्मी की जुताई का महत्व

हरदोई। (जनसंदेश टाइम्स) कृषि विज्ञान केंद्र हरदोई के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ राम प्रकाश ने किसान भाइयों को ;फसल अवशेष प्रबंधनः के तहत सलाह दी कि रवी फसल की कटाई के बाद गर्मी की जुताई का बहुत महत्व होता है। उन्होंने बताया कि खरीफ की फसल की तैयारी करने के लिए गर्मी की जुताई खासत महत्वपूर्ण होती है, और किसान भाइयों को गर्मी की जुताई पलटा हल से

पोस्ट कोविड रोगियों के लिए आहार प्रबंधन

दैनिक भास्कर

पोस्ट कोविड रोगियों के लिए आहार प्रबंधन आवश्यक : डॉ प्रिया

मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए खेतों में बोएं हरी खाद

कृषि वैज्ञानिक मुकेश कुमार सिंह ने दी जानकारी

कहा, खेतों में हरी खाद बोने के लिए यह समय उपयुक्त

कृषि तकनीकों के प्रसार कार्यक्रमों को अपनाकर बढ़ायें पैदावार

हरदोई। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कभी देश की अर्थव्यवस्था में लगभग 50% भागीदारी सुनिश्चित करने वाली कृषि का योगदान आज 15% के आसपास है, जो चिंतन का विषय है। ...

फल को बेहतर तकनीक से ही पकाएं

- कृषि वैज्ञानिक डॉ. डीवी सिंह ने बताई बेहतर ढंग से फल पकाने की विधियां

- कृषि वैज्ञानिक की अपील कृषि विज्ञान केंद्र से भी प्राप्त कर सकते हैं जानकारी

खतरनाक केमिकल का प्रयोग न करें

एथिलीन गैस के छिड़काव से खतरा नहीं

सत्ता एक्सप्रेस

पोस्ट कोविड रोगियों हेतु आहार प्रबंधन- डॉ प्रिया वशिष्ठ

पोस्ट कोविड मरीज खाएं दलिया, दही, फल

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की डॉ. प्रिया वशिष्ठ ने सोमवार को पोस्ट कोविड रोगियों के आहार प्रबंधन पर एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा कि कोरोना विजेता थकान महसूस करते हैं। ऐसे में उन्हें भोजन में बींस, अंडे, दही, दाल, मूंगफली, अंकुरित दाल आदि शामिल करना चाहिए। सेब, खजूर, पपीता, केला, कीवी, लौकी, पत्तेदार साग आदि जरूर खाएं। भीगे बादाम और किशमिश ...

किसान आम की फसल को बेहतर तकनीक से ही पकाएं

■ कृषि वैज्ञानिक डॉ. टीबी सिंह ने बताई बेहतर ढंग से फल पकाने की विधियां

■ कृषि वैज्ञानिक की अपील कृषि विज्ञान केंद्र से भी प्राप्त कर सकते हैं जानकारी

खतरनाक केमिकल का प्रयोग न करें

एथिलीन गैस के छिड़काव से खतरा नहीं

पोस्ट कोविड रोगियों को अपने भोजन में हाई प्रोटीन वाले फूड को शामिल करना चाहिए: डॉ प्रिया वशिष्ठ

पोस्ट कोविड रोगियों हेतु आहार प्रबंधन: डॉ प्रिया वशिष्ठ

ग्रीष्मकाल में करें जोताई बढ़ेगी मिट्टी की उर्वराशक्ति

कमजोरी व थकान की शिकायत

कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से जारी की गई एडवाइजरी

डॉ. प्रिया वशिष्ठ।

लंच के बाद कुछ चीज का सेवन फायदेमंद

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

सीएसए की कृषि वैज्ञानिक की सलाह

कानपुर।

सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की गृह वैज्ञानिक डॉ. प्रिया वशिष्ठ ने कहा है कि पोस्ट कोविड रोगियों के आहार प्रबंधन पर ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कोविड से उबरने के बाद लोगों में थकान और कमजोरी एक आम समस्या देखी जा रही है। ऐसे में कुछ खास खाद्य पदार्थों को अपने आहार में शामिल कर रोगी अपनी खोई ऊर्जा को पुनः प्राप्त कर सकते हैं।

डॉक्टर प्रिया ने सलाह दी है कि पोस्ट कोविड रोगियों को अपने भोजन में हाई प्रोटीन वाले फूड को अवश्य शामिल करना चाहिए। बहुत जरूरी है। यह फल और रंग बिरंगी सब्जियों में पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है जैसे सेब, खजूर, पपीता, केला, कीवी, लौकी, पत्तेदार साग आदि।

उन्होंने बताया कि पांच ऐसे आहार हैं जिससे इम्यूनिटी बढ़ती है और इससे कोविड की थकान से उबरने में बहुत मदद मिलती है। उन्होंने भीगे बादाम और किशमिश खाकर दिन की शुरुआत करने की बात कही है। बादाम में

डॉ. प्रिया वशिष्ठ।

पोषक तत्व होते हैं और यह पेट के लिए हल्की होती है। खिचड़ी खाने से अच्छी नींद भी आती है। स्वादानुसार हरी सब्जियां मिलाकर भी खिचड़ी बनाई जा सकती है।

इन सबके साथ शरीर को हाइड्रेट करना भी बहुत जरूरी है। इसके लिए पर्याप्त पानी पीने के अलावा घर पर बने लाइम जूस और बटरमिल्क का सेवन किया

7. कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम : इटावा

मीडिया कवरेज

जानकारी | कमजोर या बुजुर्ग लोगों को जल्दी अपना शिकार बनाता है कोरोना

हाई एंटी वायरल फूड डाइट में जरूरी

अदरक-तुलसी व लहसुन फायदेमंद

अदरक में भी कई तरह के एंटी वायरल तत्व पाए जाते है इसलिए अपने खाने-पीने की चीजों में इसे जरूर शामिल करें। सौंफ या शहद के साथ इसका सेवन करने से इसके परिणाम ज्यादा बेहतर होंगे। दिन में 3-4 बार अदरक का सेवन करने से आपका इम्यून सिस्टम अच्छा होगा। तुलसी इम्यूनिटी सिस्टम को बेहतर बनाने वाले तत्वों से भरपूर तुलसी बेहद गुणकारी है। रोजाना सुबह एक चम्मच तुलसी लेने से आपका इम्यूनिटी सिस्टम बेहतर होता है। 3-4 काली मिर्च और एक चम्मच शहद के साथ इसका सेवन करने से आपके शरीर को रोगों से लड़ने की ताकत मिलती है। लहसुन में भी कई तरह के एंटी वायरल तत्व पाए जाते हैं। सूप या सलाद के अलावा आप इसे कच्चा भी खा सकते हैं।

कृषि वैज्ञानिक सुनीता मिश्रा जानकारी देतीं।

जून के तीसरे सप्ताह में तैयार करें धान की

खेतीबाड़ी : कृषि वैज्ञानिक ने बीज शोधित करके ही नर्सरी में बुआई करने की दी सलाह

जानकारी के लिए नंबर पर करें फोन 9450077316

कृषि वैज्ञानिक ने घरेलू नुस्खे अपनाने पर दिया जोर

इटावा। कृषि वैज्ञानिक सुनीता मिश्रा ने बताया कि सूखी खांसी व गले में खराश को दूर करने में आयुष का घरेलू उपचार बहुत ही कारगर है, इसके लिए ताजे पुदीने के पत्ते और काला जीरा को पानी में उबालकर दिन में एक बार भाप लेने से इस तरह की समस्या से राहत मिल सकती है। इसके अलावा लौंग के पाउडर को मिश्री-शहद के साथ मिलाकर दिन में दो से तीन बार सेवन करने से इस तरह की समस्या दूर हो सकती है। इसके अलावा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के एक से एक नुस्खे आयुर्वेद में मौजूद है,

जैविक विधि से करें कीटों का नियंत्रण

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक शस्य की किसानों को सलाह

संवाद न्यूज एजेंसी

इटावा। जैविक खेती देशी खेती का आधुनिक तरीका है। जहां प्रकृति एवं पर्यावरण को संतुलित रखते हुए खेती की जाती है। इसमें रासायनिक खाद

डा.विजय बहादुर जायसवाल

यह जानकारी कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक शस्य डा.विजय बहादुर जायसवाल ने दी है। कहा कि जैविक विधि से कीट एवं रोग और खरपतवार प्रबंधन आवश्यक है, क्योंकि वर्तमान खेती में रासायनिक उर्वरक और कीट

जैविक विधि से खरपतवार प्रबंधन

स्टेल सीडबेड तकनीक का प्रयोग करें फसल बुवाई से पूर्व खेत में पानी देकर खरपतवारों को उगने का मौका देते है जिन्हें बाद में नष्ट कर दिया जाता है, इसके बाद फसल की बुवाई की जाती है। कृषि उपकरणों को एक खेत से दूसरे खेत में जाने से पूर्व अच्छी तरह साफ करना चाहिए अन्यथा खरपतवार के बीज एक खेत से दूसरे

9. कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम : फर्रूखाबाद

मीडिया कवरेज

किसान हरी खाद की बोआई 20 मई तक अवश्य करें

कीट से सुरक्षा को करें छिड़काव

आगरा/एटा/आजमगढ़/बरेली

कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा समसामयिक सुरक्षा व फसल प्रबंधन हेतु दिए गए

10. कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम : अलीगढ़

मीडिया कवरेज

किसानों की तकदीर बदलेगा बासमती

धान की प्रजाति का होगा उत्पादन

खेती-किसानी

अलीगढ़ | कार्यालय संवाददाता

धान की 38 प्रजातियां

ऐसे तैयार करें नर्सरी